बहुमूल्य सिद्धान्त

नैतिक सिद्धान्त के अनुसार शक्ति का उपयोग सदा ही अच्छे कार्यो में किया जाना चाहिए ऐसा ही हमारे पूर्वजों ने हमें विरासत में शिक्षा दी है।

- पताह-होतेच 2880 ई0पू0

वह मत करो जो दूसरों के लिए अच्छा नही है।

- 6वीं शताब्दी ई0पू0 जोरास्टर

जैसा दर्द आपको पीड़ा पहुचाता है, वैसा ही दूसरे के दर्द को भी समझना चाहिए।

- 6वीं शताब्दी ई0पू0 बुद्ध

जो आप अपने लिए नही करना चाहते वैसा दूसरे के लिए भी मत करों।

- 6वीं शताब्दी ई0पू0 कन्फ्यूशियस

मैं ऐसा दूसरों के साथ नही करना चाहूंगा जो मुझे अपने लिए पसंद नही।

- 5वीं शताब्दी ई0पू0 प्लूटो

दूसरे के साथ वैसा बर्ताव मत करो जो अपने लिए पसंद नही।

- 3सरी शताब्दी ई0पू0 महाभारत

दूसरे के साथ वैसा मत करों जो आप अपने लिए नही करना चाहते।

- प्रथम शताब्दी ई0पू0 रब्बी हिलेल

तुम दूसरो के साथ वैसा ही व्यवहार करो, जैसा तुम दूसरे से अपेक्षा रखते हो।

पहली शताब्दी ई0पू0 - जिजस क्राइस्ट

यदि तुम अपने भाई के साथ वैसा व्यवहार नहीं करते हो जैसा तुम अपने लिए चाहते हो तो तुम्हारी आस्था सच्ची नहीं है।

छठी शताब्दी ई0पू0 - मुहम्मद

किसी भी आत्मा पर ऐसा बोझ न डालो जैसा तुम अपने साथ किया जाना पसंद नही करते हो और जैसा व्यवहार तुम दूसरों के द्वारा किया जाना पसंद नहीं करते हो वैसा व्यवहार तुम दूसरों के साथ मत करो।

19वीं शताब्दी - बहाउल्लाह

सही कभी गलत नही हो सकता या गलत दूसरे तरीके से लौटता नही है, या जब हम बुराई से अपने आप को बचाते है तो बुराई लौट आती है।

5वीं शताब्दी - प्लूटो

दूसरों के साथ वैसा मत करो जैसा आप अपने लिए नही चाहते, दूसरो के साथ वैसा करें जैसा वह चाहता है।

Copyright © Marilyn Wilhelm, 1974